इन्सपायर साइंस अवार्ड में बनाई थी पानी से चलने वाली जेसीबी, मप्र की दो प्रतिभाओं का हुआ था चयन

जापान में अपनी प्रतिभा दिखाने पहुंचा गणेश

अनूपपुर। लीक से हटकर कुछ करने की ललक लिए कोतमा तहसील के गांव दारसागर का छात्र गणेश प्रसाद प्रजापति इन दिनों जापान में है। उसने पानी से चलने वाली जेसीबी का मॉडल विकसित कर विज्ञान को समृद्ध किया है। गणेश मध्य प्रदेश की उन दो विज्ञान प्रतिभाओं में से एक है जिसे अपने मॉडल की परिकल्पना साझा करने के लिए जापान जाने का अवसर मिला। 16 वर्षीय गणेश को जापान के सकुरा एक्सचेंज प्रोग्राम इन साइंस के तहत चुना गया है। जापान और शेष एशिया के बीच विज्ञान प्रतिभाओं के आदान-प्रदान वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए गणेश ने पास्कल सिद्धांत पर विकसित जल-दबाव चलित जेसीबी मॉडल पेश किया। 17 से 23 अप्रैल तक चलने वाले कार्यक्रम में शामिल होकर गणेश 24 को घर वापस होगा।

मिडिल स्कूल कोतमा में 11वीं के छात्र गणेश ने करीब चार साल पहले यह मॉडल विकसित किया था। तब उसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के 'इन्सपायर साइंस अवार्ड' के लिए चुना गया था। हिंदुस्तान पावर ने 2012 में अपने प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में

जापान जाने से पहले दिल्ली के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय पहुंचा गणेश ।

गणेश द्वारा बनाया गया जेसीबी का मॉडल।

गणेश को सम्मानित किया था। कंपनी ने अपने अधिकारी ओंकार सिंह तोमर को गणेश के मार्गदर्शन के लिए अधिकृत किया। गणेश कहते हैं, ओंकार सिंह ने मेरा हरसंभव मार्गदर्शन किया। गणेश के अनुसार एक बार मैं आंख की रोशनी खोने के कगार पर पहुंच गया था। ओंकार सिंह ने मेरा समुचित इलाज कराया और जापान यात्रा की तैयारी में योगदान दिया है।

गणेश बच्चों के लिए रोल मॉडल

परियोजना प्रमुख जोगेश महतो कहते हैं कि गणेश बच्चों के लिए रोल मॉडल है। उसकी मेधा देश-प्रदेश का गौरव बढ़ा सकती है। उसकी कामयाबी से हम भी गौरवान्वित हैं। बताया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय इन प्रतिभाओं की जापान यात्रा का प्रायोजक है। मंत्रालय के अधिकारी पी के सिंह इस दल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ऐसे कार्य करती है जेसीबी

गणेश ने बताया की उसके द्वारा निर्मित किए गए जेसीबी मॉडल वायुदाब के सिद्धांत पर कार्य करती है। इसके लिए उसने जेसीबी मशीन में 6 बड़े इंजेक्शन लगाए हैं जो कि पिस्टन की तरह कार्य करते हुए मशीन को दिए गए निर्देशों को क्रियान्वित करते हैं। जेसीबी मॉडल में पिस्टन की जगह इंजेक्शन को लगाया गया है जिसमें दो इंजेक्शन मशीन की दिशा बदलने के लिए लगाए गए हैं। वहीं दो इंजेक्शन जेसीबी मशीन को ऊपर नीचे करने के लिए लगाए गए हैं तथा मिट्टी खोदने के लिए उठाने व गिराने के काम में दो इंजेक्शन लगे हैं।

प्रदूषण के साथ ईंधन की बचत

गणेश के द्वारा बनाई गई जेसीबी मॉडल की खासियत यह है कि ये मशीन पूरी तरह से ईंधन की बचत करेगी। साथ ही वायु तथा ध्वनि प्रदूषण भी इस मशीन से नहीं होगा। जेसीबी मशीन पानी तथा वायु के दवाब से काम करेगी। यह मॉडल अगर बड़े रूप में तैयार किए जाएं तो इससे ईंधन की बचत भी होगी।